आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक सम्राट

उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों अलीगढ़ हाथरस ऐटा कासगंज बदायूं बुलंदशहर मथुरा आदि से प्रसारित व अलीगढ़ से प्रकाशित

बर्ष :13 अंक :488 पृष्ठ -4 दिनांक 26 मई 2025 दिन सोमवार

विराट कोहली और अनुष्का शर्मा ने हनुमान गढ़ी के महंत से आध्यात्म पर की चर्चा

विराट कोहली पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ रविवार को अयोध्या पहुंचे.

क्रिकेटर विराट कोहली पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ रविवार को अयोध्या पहुंचे. यहां उन्होंने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में राम लला के दर्शन किए और विधि–विधान से पूजा–अर्चना की. दर्शन के बाद दोनों ने हनुमानगढ़ी मंदिर जाकर भी पूजा की और महंत संजय दास से आशीर्वाद लिया. इस दौरान दोनों की सुरक्षा व्यवस्था के लिए अयोध्या पुलिस को खासा मशक्कत करनी पड़ी. विराट और अनुष्का की एक झलक पाने के लिए लोगों में खासा दीवानगी देखने को मिली.वहीं मंदिर प्रशासन द्वारा दोनों का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया. श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने उन्हें श्रीराम के प्रतीक के रूप में स्मृति चिह्न और अंगवस्त्र भेंट किया. महंत संजय दास से लिया आशीर्वादराम लला दर्शन के बाद विराट कोहली और अनुष्का शर्मा ने हनुमानगढ़ी के महंत संजय दास जी महाराज से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद लिया. महंत ने उन्हें रामभक्ति और सनातन धर्म के प्रति श्रद्धा बनाए रखने की प्रेरणा दी. संजय दास जी महाराज ने बताया कि विराट कोहली और अनुष्का शर्मा का आध्यात्म के प्रति बहुत

ही लगाव है. भगवान राम लला के दर्शन के बाद उन्होंने हनुमान गढ़ी में भी आशीर्वाद लिया. उनके साथ आध्यात्म की भी कुछ चर्चाएं हुईं.श्रद्धालु उत्सुकअचानक मंदिर परिसर में विराट और अनुष्का को देखकर वहां मौजूद श्रद्धालू काफी उत्सुक हो गए कुछ. लोग उनके फोटो–वीडियो बनाने की कोशिश करने लगे. दोनों ने दूर से ही हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन किया.पहली बार अयोध्या पहुंचे. विराट कोहली और अनुष्का शर्मा पहली बार एक साथ अयोध्या धाम पहुंचे थे. इससे पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद विराट कोहली और अनुष्का वृन्दावन में प्रेमानंद जी महाराज के आश्रम में पहुंचे थे और आशीर्वाद लिया था.आरसीबी से खेल रहे विराट कोहली आईपीएल 2025 में आरसीबी की तरफ से खेल रहे हैं. इस बार प्लेऑफ में पहुँचने के बाद ट्रॉफी जीतने की उम्मीद बढ़ गयी है.

रायबरेली में गंगा नदी में डूबने से 3 युवकों की मौत, CM योगी ने अधिकारियों को दिए तत्काल राहत के निर्देश

उत्तर प्रदेश के रायबरेली के डलमऊ घाट पर गंगा नदी में नहाने गए तीन युवकों की डूबने से मौत गो गई. मिली जानकारी के अनुसार 4 युवक गंगा नदी में नहाने गए थे, गहरे पानी में जाने के कारण 4 डूबने लगे. 4 युवकों में से एक को बचा लिया गया है, जबकि तीन की पानी में डूबने से मौत हो गई. बरेली के डलमऊ घाट पर गंगा में नहाने के दौरान डूबने मरने वाले तीनों युवक अमेठी के जगदीश. पुरा के रहने वाले हैं. अब इस हादसे पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लेते हुए मृतकों के शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना जताई है. इसके साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंच कर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं. सीएम योगी ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं. इसके साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है. प्रदेश में आए दिन पानी में डूबने से मौत की खबर सामने आती है. ऐसे में पुलिस प्रशासन द्वारा कई बार लोगों को गहरे पानी में जाने से मना किया गया है.

उत्तर प्रदेश राबरेली के डलमऊ घाट पर गंगा नदी में डूबने से हुई तीन युवकों की मौत के बाद से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है. ऐसे में हमें इस बात का हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि कभी भी नदी में नहाने के दौरान गहरे पानी में न जाए. ऐसा करना कई बार मौत को दावत देने जैसा होता है. 4 में से एक युवक का इलाज अस्पताल में चल रहा है. युवक को डॉक्टरों की देखरेख में रखा गया है.

गाजियाबाद में शनिवार रात ACP अंकुर विहार कार्यालय की छत गिरने से उसमे दबकर एक सब इंस्पेक्टर की मौत

गाजियाबाद में शनिवार रात ACP अंकुर विहार कार्यालय की छत गिरने से उसमे दबकर एक सब इंस्पेक्टर की मौत हो गयी. जिसके बाद पुलिस महकमे में हड़कम्प मच गया है. घटना के वक्त दरोगा सो रहा था.जानकारी के मुताबिक 58 वर्षीया सब इंस्पेक्टर वीरेन्द्र मिश्रा ।ब्च अंकुर विहार में पेशकार थे और रात में कार्यालय में ही हो सो रहे थे. अचानक उनके ऊपर लिंटर गिर गया. जिसमें दबकर उनकी मौत हो गयी. पुलिस ने सब इंस्पेक्टर के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और जांच के आदेश दिए हैं. बड़ा सवाल है कि जर्जर बिल्डिंग में सरक. ारी कार्य कैसे हो रहा है.मलबे में दबे मिलेयहां बता दें लोनी के इंद्रपुरी कॉलोनी स्थित एसीपी स्कूल बिहार कार्यालय की शनिवार रात तेज बारिश के चलते छत गिर गई. ।ब्च कार्यालय में सो रहे दरोगा वीरेंद्र कुमार मिश्रा मलबे में दब गए. सुबह जब अन्य पुलिसकर्मी पहुंचे तो घटना का पता चला. मलबे से निकाल कर वीरेंद्र कुमार मिश्रा को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दियाकार्यालय में ही सो गए थेएसीपी अंकुर विहार अजय कुमार के मुताबिक शनिवार रात दरोगा वीरेंद्र कुमार मिश्रा कार्यालय में ही सोये हुए थे. रात तेज बारिश के चलते उनके कार्यालय के एक कमरे की छत गिर गई. जिसमें वीरेंद्र कुमार मिश्रा मलबे में दब गए. रविवार सुबह जब अन्य पुलिस कर्मी और स्थानीय लोग एसीपी कार्यालय पहुंचे, तो यहां उन्होंने वीरेंद्र कुमार को मलबे से निकाला.तब तक उनकी मौत हो चुकी थी. फिलहाल अधिकारियों और परि. जनों को जानकारी दे दी गयी है.भवन की स्थिति पर सवालबारिश में सरकारी भवन का गिरना कई सवाल खड़े कर रहा है. आखिर इस पर किसी का ध्यान क्यों नहीं गया. साथ ही ये जिम्मेदारों की लापरवाही से एक सरकारी कर्मी की मौत भी हो गयी. जिले में कई सरकारी कार्यालय और भी ऐसी अवस्था में हैं.

पत्नी को पढ़ाया–लिखाया और नौकरी के बाद किसी और से लगा बैठी दिल, नाराज पति टावर पर चढ़ा

उत्तर प्रदेश के जनपद गोरखपुर से एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है. गोरखपुर में पत्नी की बेवफाई से खफा होकर शख्स टावर पर चढ़ गया. टावर पर चढ़ने वाला शख्स एक्स नेवीमैन है और वह मशरूम की खेती करता है. शख्स के टावर पर चढ़ने की सूचना की पर प्रशास. निक टीम भी मौके पर पहुंची. पुलिस बीते कई घंटों से शख्स को नीचे उतारने का प्रयास कर रही है. यह घटना गोरखपुर के गोला थानाक्षेत्र के बघौरा चौराहा के पास की बताई जा रही है. समाचार लिखे जाने तक शख्स को नीचे उतारा जा सका. जानकारी के अनुसार, गोरखपुर के गोला थानाक्षेत्र के बेलपार के रहने वाले 40 वर्षीय समरनाथ ने 2015 में परिवार के खिलाफ जाकर रीमा मौर्य से प्रेम विवाह (स्वअम डंततपंहम) से किया था. उसने पत्नी को रीमा को पढ़ा–लिखाकर पैरामेडिकल का कोर्स कराया, अस्पताल में नौकरी लगने के बाद पत्नी रीमा मौर्य का अफेयर किसी और के साथ हो गया.पति समरनाथ अपनी कमाई के सारे पैसे रीमा के खाते में भेजता था, उसी के नाम से जमीन खरीदी, अब धोखा खाया तो अपना आपा ही खो बैठा और टावर पर चढ़ गया. साढ़े पांच घंटे से दोपहर 2 बजे बघौरा चौराहा के पास एयरटेल के टावर पर अपनी मांगों को लेकर चढ़ गया.घटना स्थल पर पहुंचे पुलिस–प्रशासन अधिकारियों ने उसकी मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया. इतना बवाल होने के बाद भी पत्नी रीमा मौर्य मौके पर नहीं पहुंची. लोगों को मनाने पर भी वह नहीं माना और जमीन से 70 फीट की ऊंचाई पर कूदने की धमकी दे रहा है.उसने शुभि. चंतकों के फोन करने पर कह रहा कि कूदने जा रहा हूं, अब अगले जन्म में बात और मुलाकात होगी, मौके पर गोला पुलिस बल के साथ फायर ब्रिगेड की भी गाड़ियां मौजूद है.

BSNL: 4जी चला नहीं पा रहे अब 5जी सेवाएं देने की तैयारी

बीएसएनएल इस वर्ष के आखिर तक 5जी की सेवाएं देने का वादा कर रहा है लेकिन वर्तमान में बीएसएनएल अपने उपभोक्ताओं को 4जी की सुविधा नहीं दे पा रहा है। यह हाल शहर से लेकर प्रदेश के अन्य जिलों तक है। उपभोक्ताओं को कॉल ड्रॉप से लेकर नेट संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। एक ओर जहां सस्ते प्लान देकर बीएसएनएल उपभोक्ताओं को आकर्षित कर रहा है वहीं खराब नेटवर्क श्कोढ़ में खाजश्श का काम कर रहा है। जहां एक वर्ष पहले उपभोक्ता बीएसएनएल की तरफ तेजी से बढ़ रहे थे वहीं अब उपभोक्ताओं का रुझान फिर से कम हो रहा है।बीएसएनएल ने पिछले वर्ष सितंबर से 4जी की सेवाएं देना शुरु किया था। इसके लिए यूपी ईस्ट में तेजी से कार्य को अंजाम दिया गया। साथ ही शहर में 550 बीटीएस लगाये गये। लेकिन बीटीएस लगाने के बाद भी बीएसएनएल उपभोक्ताओं को सेवाएं नहीं दे पा रहा है। जहां एक ओर कॉल ड्राप और नेट संबंधी समस्यायें आ रही हैं। वहीं उपभोक्ताओं को छोटी–छोटी समस्याओं के लिए दौड़ लगानी पड़ रही है। ऐसे में 5 जी की सेवाएं कैसे देगा यह एक प्रश्न है।पूरे प्रदेश में करीब 34 लाख उपभोक्ता और यूपी ईस्ट में लगभग 20 लाख उपभोक्ता है। यूपी ईस्ट में करीब 6200 बीटीएस लगने है जिनमें से लगभग 4865 बीटीएस लगाये जा चुके है। इसके बावजूद उपभोक्ताओं को 4जी सेवाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। राजधानी में लगभग 13 लाख उपभोक्ता है जिनको 4जी सेवाओं के लिए बीएसएनएल लगातार प्रयास कर रहा है। लेकिन तमाम दावों के बावजूद भी बीएसएनएल उपभोक्ताओं की उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पा रहा है।–पूरे सर्किल में 800 कैंप का आयोजन किया जा रहा है जिसके माध्यम से उपभोक्ताओं को होने वाली परेशानी का निराकरण किया जा रहा है। साथ ही जिन उपभोक्ताओं ने सिम को अपग्रेड नहीं कराया है उनका सिम निशुल्क 4जी में अपग्रेड किया जायेगा। हमारा पूरा प्रयास है कि उपभोक्ताओं को बीएसएनएल बेहतर सुविधा प्रदान करें।–शहर में कई सेवा केन्द्र खोले गये हैं जहां पर उपभोक्ताओं की समस्या का निराकरण किया जा रहा है। हेल्पलाइन के साथ ही व्यक्तिगत रूप से भी अधिकारी उपभोक्ताओं की समस्याओं को सुनकर उनका निस्तारण कर रहें है। कई जगह पुराने टॉवरों को भी बदला गया है जिससे उपभोक्ताओं को तेज नेट मिल सके।

नोएडा में शॉर्ट सर्किट से कार गैराज में लगी भीषण आग, दर्जनों गाड़ियां जलकर खाक

नोएडा में उस समय हड़कंप मच गया जब यहां सेक्टर छह स्थित एक कार गैराज में आग की लपटें उठने लगीं. इससे पहले कोई कुछ समझता आग ने विकराल रूप ले लिया और देखते ही देखते दर्जनों गाड़ियां जलकर खाक हो गईं. सूचना पर पहुंची दमकल टीम ने बमुश्किल आग पर काबू पाया. फिलहाल इस दुर्घटना में किसी जनहानि की सूचना नहीं है और आग के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है. दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जानकारी मिली सुबह करीब 7रू30 बजे सेक्टर छह स्थित कार गैराज में आग लग गई है. सूचना मिलते ही टीम यहां पहुंच गई. आग इतनी भीषण थी कि गैराज में खड़ी कई कारें पूरी तरह से जलकर खाक हो गईं. शुरुआती जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, हालांकि अभी और जानकारी की जा रही हैपांच गाड़ियों ने बुझाई आगगैराज में आग की लपटें इस कदर उठ रहीं थीं कि काबू करने में पांच गाड़ियां लगानी पड़ीं. वहीं मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में पूरी गैराज को अपनी चपेट में ले लिया. कोई जनहानि नहींचूँकि आग सुबह सुबह लगी इसलिए गैराज के अन्दर कोई कर्मच. ारी नहीं था. लिहाजा कोई जनहानि नहीं हुई. लेकिन काफी देर आसपास के इलाके में पूरी तरह अफरा–तफरी का माहौल रहा. दर्जन भर से अधिक गाड़ियां खाकगैराज में खड़ी दर्जन भर से अधिक गाड़ियां आग की चपेट में आकर पूरी तरह खाक हो चुकी हैं. गैराज मालिक के मुताबिक बहुत ज्यादा नुकसान हुआ है. अभी अंदाजा लगाना मुश्किल है. सबसे हैरानी की बात पूरे घटनाक्रम में ये सामने आयी है कि गैराज में आग से निपटने के इंतजाम न के बराबर थे, स्थानीय लोगों की मानें तो अगर दमकल टीम नहीं पहुंचती आसपास भी आग फैल सकती थी.

लखनऊः मिलिए रिश्वतखोर अफसर से... कलेक्ट्रेट कोषागार की महिला कर्मी 12 हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार

एंटी करप्शन की टीम ने कलेक्ट्रेट में शनिवार को कलेक्ट्रेट कोषागार की सहायक कोषाधिकारी लेखाकार को 12 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। उसने पेंशन सत्यापन के लिए रिश्वत मांगी थी। आरोपी के खिलाफ एंटी करप्शन ने रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।सौरभ श्रीवास्तव ने एंटी करप्शन के लखनऊ सेक्टर के पुलिस अधीक्षक से कलक्ट्रेट कोषागार में तैनात सहायक कोषाधिकारी लेखाकार चन्द्रमाला की शिकायत की थी। आरोप लगाया था कि वह पेंशन सत्यापन के लिए रिश्वत मांग रही हैं। सौरभ ने बताया था कि उसके बाबा हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव पुलिस में अधिकारी पद से सेवा. निवृत्त था। पिछले वर्ष 10 मई को उनकी मृत्यु हो गई थी। सौरभ ने बताया कि पिता विकलांग हैं और वह बाबा की पेंशन पर आश्रित हैं। बाबा की मृत्यु के बाद पारिवा. रिक पेंशन लखनऊ कलेक्ट्रेट स्थित कोषागार से मिलनी थी। इसकी स्वीकृति सहायक कोषाधिकारी लेखाकार चन्द्रमाला को करनी थी। आवेदन पर उन्होंने पेंशन स्वीकृत कर दी थी लेकिन रुपये की मांग की थी।सौरभ ने बताया कि पिता का स्वतंत्र रूप से पंडित दीनदयाल उपाध्याय कैशलेस हैल्थ कार्ड भी बनना था। इसका ऑनलाइन आवेदन 15 मई को किया गया। हेल्थ कार्ड स्वीकृति करने के लिए सहायक लेखाकार से संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा कि पिछला पेंशन का बकाया 12 हजार रुपये दो। न देने की सूरत में एप्लीकेशन निरस्त करने की बात कही। बोला, जो भी मेडिकल बिल आएगा उसे निरस्त कर दिया जाएगा। पुलिस अधीक्षक ने गोपनीय जांच कराई तो शिकायत सही पाई गई। ट्रैप टीम ने सहायक लेखाकार चन्द्रमाला को सौरभ श्रीवास्तव से 12 हजार रुपये रिश्वत लेने रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ एंटी करप्शन के लखनऊ सेक्टर थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

हापुड़ में जलभराव की समस्या से परेशान लोगों ने हाईवे किया जाम, मौके पर पहुंची पुलिस

उत्तर प्रदेश के जनपद हापुड़ में रविवार (25 मई) की सुबह भीम नगर इलाके में रहने वाले लोग जलभराव की समस्या को लेकर अपने–अपने घरों से बाहर निकल आए और उन्होंने दिल्ली लखनऊ हाईवे एनएच 9 पर बांस बल्लियां लगाकर जाम लगा दिया. काफी संख्या में एकत्रित हुई महिलाओं का कहना था कि यहां बिन बा. रिश के भी जलभराव की स्थिति बनी हुई है और बारिश होने के बाद हाल बेहाल हो जाता है. महिलाओं ने कहा कि सड़क पर भरा गंदा पानी घरों में घुसने लगता है और लोगों व स्कूल जाने वाले बच्चों को गंदे पानी में होकर गुजरना पड़ता है. हाईवे पर जाम लगाने की सूचना मिलते ही देहात पुलिस और सीओ सिटी मौके पर पहुंचे. पुलिस के अधिकारियों ने आक्रोशित लोगों को समझा बुझाकर शांत किया और जाम खुलवाया. बता दें की हापुड़ के गढ़ रोड पर स्थित भीमनगर इलाके में इन दिनों यहां रहने वाले लोग जल भराव के कारण काफी परेशान हैं. स्थानीय लोगों का कहना है कि नालों की साफ सफाई न होने के कारण जलभराव की समस्या यहां बिन बारिश के भी रहती है और हल्की–फुल्की बारिश होने पर सड़क पर भरा गंदा पानी उनके घरों में घुसने लगता है. कई बार अधिकारियों से नाले और इलाके की साफ सफाई को लेकर शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अभी तक कोई भी ठोस प्रयास नहीं किए गए हैं. रविवार की सुबह इलाके की महिलाएं और पुरुष काफी संख्या में इकट्ठे हो गए और उन्होंने दिल्ली लखनऊ हाईवे एनएच 9 पर वाहनों को आड़ा तिरछा लगाकर और बांस से जाम लगा दिया. जाम लगने की वजह से हाईवे पर दोनों ओर से वाहनों की लंबी–लंबी कतारें लग गई. लोगों के हंगामे की जानकारी जैसे ही पुलिस प्रशासन को हुई तो मौके पर सीओ सिटी जितेंद्र कुमार और देहात थाने की पुलिस पहुंच गई. स्थानीय लोगों से पुलिस की काफी जद्दोजहद हुई और बाद में अधिकारियों के जलभराव की समस्या का समाधान जल्द ही कराए जाने का आश्वासन दिया गया, जिसके बाद जाम को खोला गया.

अज्ञात वाहन ने मोपेड को मारी टक्कर युवक की मौत, आरा मशीन में करता था काम, घर लौटते समय हादसा

हाथरस में मथुरा रोड स्थित अर्पण धाम कॉलोनी के पास एक सड़क हादसा हुआ। अज्ञात वाहन ने मोपेड में टक्कर मार दी। हादसे में मोपेड सवार की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान मुरसान कोतवाली क्षेत्र के गांव गारव गढ़ी निवासी मानसिंह (46) के रूप में हुई।वह एक आरा मशीन पर काम करता था। काम से घर लौटते समय हाथरस गेट कोतवाली क्षेत्र में मथुरा रोड पर यह हादसा हुआ। टक्कर मारने के बाद वाहन चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंच. `पुलिस ने पोस्टमॉर्टम को भेजा शव उन्होंने मानसिंह को जिला अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के परिवार में चार बच्चे हैं। उसकी मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है।

सादाबाद में तरबूज–खरबूज की फसल नष्ट, किसानों को हजारों का नुकसान

सादाबाद तहसील में आज सुबह 4रू00 बजे हुई बेमौसम बारिश ने किसानों की जायद फसल को भारी नुकसान पहुंचाया है। इससे पहले चार दिन पूर्व आई आंधी और बारिश ने भी फसलों को प्रभावित किया था।आंधी से ककड़ी, खरबूज, तरबूज, तोरई, लौकी और काशीफल की बेल पलट गई थी। इससे पैदावार में कमी आई थी। आज की बारिश ने बची–खुची फसल को भी नष्ट कर दिया। सबसे अधिक नुकसान तरबूज और खरबूज की फसल का हुआ है।किसानों ने बताया कि उन्होंने 2000 रुपए प्रति बीघा के हिसाब से खेत लिए थे। प्रति बीघा लगभग 2000 रुपए की लागत भी लगाई। अब तक फसल से कोई लाभ नहीं मिला है। परिवार की मेहनत भी व्यर्थ गई है।क्षेत्र में कुछ मजदूर वर्ग के लोग गर्मियों में खाली पड़े खेतों को नगद किराए पर लेकर जायद की फसल उगाते हैं। इस बार बेमौसम बारिश ने उनके इस व्यवसाय को भी प्रभावित किया है।

हाथरस के सासनी कोतवाली क्षेत्र के गांव नगला भम्भू में खेत में पानी लगाने को लेकर दो पक्षों में विवाद

हाथरस के सासनी कोतवाली क्षेत्र के गांव नगला भम्भू में खेत में पानी लगाने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों पक्षों में जमकर मारपीट और पथराव हुआ। इस घटना में कुल 7 लोग घायल हुए। घटना भूरी सिंह और काली चरन के बीच शुरु हुई। दोनों के बीच खेत में पानी लगाने को लेकर कहासुनी हुई। बात बढ़ने पर गाली–गलौज शुरू हो गई। इसके बाद दोनों पक्षों के लोग लाठी–डंडे लेकर आमने–सामने आ गए। दोनों तरफ से पथराव भी किया गया।पुलिस ने मौके पर पहुंचकर की जांच पड़तालएक पक्ष से भूरी सिंह, पुष्पा देवी, विष्णु, वीरेंद्र और अंकित घायल हुए। दूसरे पक्ष से कालीचरन, दिनेश, मुरारी, राहुल, बंटी, भोला, कुलदीप और तरुण समेत कई लोग घायल हुए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों को शांत कराया। सभी घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। भूरी सिंह, पुष्पा देवी सहित चार लोगों की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया।

नौतपा की प्रचंड गर्मी में सूर्य नारायण की आराधना से होगी मनोकामना पूर्ण–स्वामी पूर्णानंदपुरी महाराज

अलीगढ़ |धार्मिक और ज्योतिषीय महत्व से जुड़े नौ दिवसीय नौतपा हर वर्ष गर्मी के मौसम में सूर्य के 15 दिन तक रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करने के साथ नौ दिनों तक सूर्य नारायण के उग्र रूप में होने के कारण पृथ्वी पर तापमान बढ़ जाता है और भीषण गर्मी पड़ती है,इसलिए सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में गोचर के शुरुआती नौ दिनों को नौतपा के नाम से जाना जाता है। इतना ही नहीं आज से नौतपा का प्रारम्भ हो रहा है और खगोल विज्ञान के अनुसार नौतपा के दौरान धरती पर सूर्य की किरणें सीधी लम्बवत पड़ती हैं,जिस कारण तापमान अधिक बढ़ जाता है और यदि नौतपा के सभी दिन पूरे तपें,तो यह अच्छी बारिश का संकेत होता है।इधर वैदिक ज्योतिष संस्थान के प्रमुख एवं ज्योतिर्विद स्वामी पूर्णानंदपुरी महाराज ने नौतपा की जानक. ारी देते हुए कहा कि चंद्रमा जब ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष में आर्द्रा से स्वाति नक्षत्र तक अपनी स्थितियों में हो और इसके साथ ही अधिक गर्मी पड़े,तो वह नौतपा कहलाता है क्योंकि जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में होता है तो उस समय चंद्रमा नौ नक्षत्रों में भ्रमण करते हैं।वहीं अगर सूर्य रोहिणी नक्षत्र में होता है तो उस दौरान बारिश हो जाती है तो इसे रोहिणी नक्षत्र का गलना भी कहा जाता है।नौतपा को मानसून का गर्भकाल भी माना जाता है।स्वामी पूर्णानंदपुरी महाराज के अनुसार सूर्य आज प्रातः 3रू15 बजे रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश कर चुके हैं,इसके बाद नौ दिन यानि 3 जून तक नौतपा रहेगा।वहीं आठ जून प्रातः 01रू04 बजे तक सूर्य रोहिणी नक्षत्र में रहेंगे इसी दिन सूर्य देव मृगशिरा नक्षत्र में प्रवेश कर जाएंगे और 15 जून को मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे।उन्होंने बताया कि नौतपा में तेज हवा के साथ बवंडर और बारिश की संभावना रहती है।इस साल भी नौतपा की ग्रह स्थिति ऐसी है कि इस अवधि में 3 जून तक तेज हवा, बवंडर और बारिश हो सकती है और जल,स्वर्ण, रजत,गेहूं,छाता,जूता,सत्तू,ऋतू फल और चावल दान करने से सूर्य चन्द्रमा के साथ पितृ कृपा भी प्राप्त होगी।इन दिनों में खूब पानी पियें दही,मक्खन और दूध का उपयोग ज्यादा करें,साथ ही नारियल पानी और ठंडक देने वाली दूसरी और वस्तुओं का भी इन दिनों में प्रयोग करें।संस्थान के सचिव गौरव शास्त्री ने बताया कि रोहिणी नक्षत्र के दौरान सूर्य की आराधना करना विशेष फलदायी होता है।इसलिए सुबह सूर्योदय के पहले स्नान कर सूर्य को अर्घ्य दें।इसके लिए जलपात्र में कमकुम डालें और सूर्य को जल चढ़ा कर आदित्य ह्रदय स्तोत्र का पाठ करें।जल चढ़ाते समय सूर्यदेव के मंत्र ऊं घृणि सूर्याय नमः,या ऊँ सूर्य देवाय नमः का निरंतर जाप करें।मान्यता है कि इस समय पड़ रही भीषण गर्मी में तप की तीव्रता बढ़ जाती है।इससे सूर्य नारायण शीघ्र प्रसन्न होते हैं और भक्त की हर मनोकामना पूरी करते हैं साथ ही अच्छी सेहत का भी आशीर्वाद मिलता है।

अलीगढ़ के थाना टप्पल क्षेत्र में एक युवक किसान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई

अलीगढ़ के थाना टप्पल क्षेत्र में एक युवक किसान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव बाजौता निवासी जसवीर उर्फ कालू (22) के रूप में हुई है।कालू शनिवार रात को गांव में एक जन्मदिन पार्टी में गया था। परिजनों के अनुसार, वहां किसी से उसका विवाद हो गया। विवाद के बाद वह घर लौट आया। आरोप है कि कुछ देर बाद विपक्षी उसके घर आए और उसके साथ मारपीट की।रविवार सुबह परिजनों को कालू का शव घर की छत पर मिला। मृतक के भाई प्रवीण ने बताया कि कालू के शरीर पर चोट के निशान हैं। उसके प्राइवेट पार्ट पर भी गंभीर चोट के निशान मिले हैं। प्रवीण के मुताबिक, उनके भाई की किसी से कोई रंजिश नहीं थी।थाना अध्यक्ष ने बताया कि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौके पर फॉरेंसिक टीम ने जांच की और डिजिटल साक्ष्य जुटाए हैं। परि. जनों की तहरीर मिलने के बाद पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अलीगढ़–पलवल हाईवे पर भीषण हादसा डिवाइडर से टकराई कार, एक ही परिवार के 7 लोग घायल

अलीगढ़ के थाना लोधा क्षेत्र में शनिवार सुबह करीब 4रू30 बजे एक तेज रफ्तार कार ल्होसरा गांव के पास ट्रांसपोर्ट नगर के सामने डिवाइडर पर चढ़कर सड़क किनारे लगे बोर्ड से टकरा गई। हादसे में कार सवार एक ही परिवार के सात लोग घायल हो गए। जानक. ारी के मुताबिक, सभी लोग गुरुग्राम (हरियाणा) से मै. नपुरी जा रहे थे और खेरेश्वर धाम के पास चाय पीने के लिए रुके थे। इसी दौरान सड़क के गड्ढे से बचने की कोशिश में कार डिवाइडर से टकरा गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को कार से बाहर निकाला और निजी अस्पताल भिजवाया। थाना लोधा के एसओ अंकित सिंह ने कहा कि फिलहाल उन्हें इस घटना की जानकारी नहीं है।

पुलिसकर्मियों ने झाड़ू लेकर साफ किया परिसरपर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश, कोतवाली आने वालों को मिलेगा बेहतर माहौल

हाथरस में आज स्वच्छ भारत अभियान के तहत पुलिसकर्मियों ने स्वच्छता अभियान चलाया और श्रमदान किया। हाथरस में मुरसान कोतवाली में पुलिस ने स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। एसपी चिरंजीव नाथ सिंहा के निर्देश पर रविवार को कोतवाली परिसर में विशेष सफाई अभियान चलाया गया।मुरसान कोतवाली प्रभारी ममता सिंह ने खुद पुलिसकर्मियों के साथ श्रमदान में हिस्सा लिया। सभी पु. लिसकर्मियों ने हाथों में झाड़ू लेकर परिसर की सफाई की। उन्होंने कार्यालय से कचरा हटाया और पूरे परिसर को स्वच्छ बनाया।पर्यावरण संरक्षण को लेकर दिया संदेश... पुलिसकर्मियों ने थाने में लगे पौधों की देखभाल भी की और उनमें पानी डाला। इस पहल का मुख्य उद्देश्य कोतवाली परिसर में आने वाले लोगों को बेहतर माहौल देना है। पूरे कोतवाली परिसर में पुलिसकर्मियों ने खुद साफ सफाई की। साथ ही स्वच्छ भारत अभियान को समर्थन देने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया।

करणी सेना का विरोध, आरोप– दलित युवक 2023 से कर रहा परेशान

हाथरस के सादाबाद तहसील में एक स्वर्ण समाज के युवक पर एससी–एसटी एक्ट का मुकदमा दर्ज किया गया है। इस मामले में करणी सेना के पदाधिकारी बड़ी संख्या में सहपऊ कोतवाली पहुंचे।मामला कोंकना खुर्द गांव का है, जहां दलित समाज के लोगों ने विष्णु नाम के युवक पर 18 मई को मुकदमा दर्ज कराया। आरोप है कि उसने सोशल मीडिया पर जाति सूचक शब्दों का प्रयोग कर अभद्र टिप्पणी की।करणी सेना का आरोप है कि दलित समाज का एक युवक 2023 से विष्णु को परेशान कर रहा है। उनका कहना है कि वह युवक एक स्वर्ण समाज की लड़की को भगाकर ले गया और उससे शादी कर ली। तब से वह लगातार सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणियां कर रहा है।पु. लिस अधिकारियों से तीखी बहस के बाद, करणी सेना ने मांग की कि दलित युवक के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया जाए। सीओ सादाबाद हिमांशु माथुर ने बताया कि मामले की पूरी जांच की जा रही है। जांच में सही पाए जाने पर दलित युवक के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।पुलिस के आश्वासन के बाद करणी सेना के पदाधिकारी शांत हुए और कोतवाली से लौट गए। फिलहाल एससी–एसटी एक्ट के तहत दर्ज मुकदमे की जांच जारी है।वि. रोध करने वालों में आदर्श महिला एवं बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष रेखा राना, करणी सेवा के फिरोजाबाद के जिलाअध्यक्ष संजय चौहान, हाथरस के जिला अध्यक्ष पंकज चौहान, केशव चौहान, अभय चौहान, सचिन सिसोदिया ,मनोज सिकरवार ,लो. केंद्र ठाकुर ,अवधेश कुमार ,हरेंद्र चौहान आदि शामिल थे।

फॉर्म 3–सीडी और वित्तीय विवरण में नए बदलाव पर सेमिनार

हाथरस के रामोजी रिजॉर्ट्स में द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की मथुरा शाखा ने एक सेमिनार का आयोजन किया। सेमिनार का विषय था फॉर्म 3 सीडी में नए बदलाव और गैर–कारपोरेट संस्थाओं के नए वित्तीय विवरण। आगरा से आए वरिष्ठ सीए राकेश अग्रवाल ने मुख्य वक्ता के रूप में फॉर्म 3सीडी में हुए परिवर्तनों की विस्तृत जानक. ारी दी।उन्होंने बताया कि गैर–कॉर्पोरेट संस्थाओं के लिए नया वित्तीय विवरण प्रारूप 1 अप्रैल 2024 से अनिवार्य हो गया है। सीए अग्रवाल ने नए प्रारूप को अपनाते समय ध्यान रखने वाली महत्वपूर्ण बातों पर प्रकाश डाला। सेमिनार की तकनीकी सत्र की अध्यक्षता सीए गिरधर गोपाल अग्रवाल ने की।कार्यक्रम का संचालन मथुरा शाखा के उपाध्यक्ष सीए लोकेश वार्ष्णेय ने किया। सेमिनार में ऑडिट फॉर्म 3सीडी से जुड़ी प्रैक्टिकल समस्याओं का समाधान भी किया गया।हाथरस के चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इनमें सीए मनीष तालीवाल, सीए प्रवीण जैन, सीए दीपेश शर्मा, सीए पूनम अग्रवाल समेत कई प्रमुख सीए शामिल थे। सभी प्रतिभागियों ने इस सेमिनार को ज्ञानवर्धक और उपयोगी बताया।

व्यापारियों के प्रतिनिधिमंडल ने की खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन दीनानाथ यादव से मुलाकात

अलीगढ़ |उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के चेयरमैन मानव महाजन के मार्गदर्शन में व्यापारियों ने अभिहित अधिकारी खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन दीनानाथ यादव के साथ मुलाकात की |इस दौरान महानगर चेयरमैन मानव महाजन ने कहा कि व्यापार मंडल मिलावट का पूर्ण रूप से विरोध करता है,लेकिन वह मिलावट के नाम पर व्यापारियों के शोषण का भी विरोध करते हैं और जांच के नाम पर कहीं भी किसी निर्दोष व्यापारी का उत्पीड़न न हो |महानगर अध्यक्ष दीपक वार्ष्णेय ने कहा कि जैसे प्रदेश सरकार ने मिलावट के खिलाफ सख्त अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं उसी का अनुसरण करते हुए वह भी मिलावटखोरी का सख्त विरोध करते हैं और व्यापार मंडल कभी ऐसे व्यापारियों का साथ नहीं देगा और उनका पुरजोर विरोध करते हैं लेकिन चंद मुट्ठी भर गलत लोगों की वजह से सभी व्यापारियों को दोषी नहीं ठहराया जा सकता है क्योंकि व्यापारी समाज हमेशा देश एवं सरकार की सेवा के लिए सबसे पहले तत्पर रहता है |वहीं अभिहित अधिकारी खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन दीनानाथ यादव ने कहा कि वह व्यापारियों के साथ हैं और उनमें जागरूकता पैदा करेंगे जिससे वे गलत सामान बेचने से बचें साथ ही यादव जी ने व्यापारियों से आग्रह किया कि वे अपने फूड लाइसेंस अवश्य बनवाएं |इस मुलाकात के दौरान दोनों पक्षों ने सहयोग और समन्वय की भावना को बढ़ावा देने पर चर्चा की |इस मुलाकात के दौरान वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजय कुमार,महामंत्री विवेक वार्ष्णेय,कोषाध्यक्ष प्रशांत वार्ष्णेय, राधेश्याम और उपेंद्र नीटू आदि लोग मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

अलीगढ़ क्वार्सी फ्लाई ओवर की सर्विस रोड तैयार, जून से होगी यातायात डायवर्ट

रामघाट रोड पर बन रहे क्वार्सी फ्लाई ओवर की सर्विस रोड का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। मई के अंत तक यह कार्य पूरा हो जाएगा, जिसके बाद जून के पहले सप्ताह से यातायात इसी सर्विस रोड पर डायवर्ट कर दिया जाएगा। सेतु निगम के अनुसार, फ्लाई ओवर के सुपर स्ट्रक्चर का कार्य जून से शुरू होगा और इसे साल के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। करीब 70 करोड़ की लागत से बन रहे इस 650 मीटर लंबे फ्लाई ओवर के लिए 12 पिलर तैयार हो चुके हैं और अब बीम व पियर कैप लगाने का कार्य होगा।

अलीगढ़ जिला अस्पताल की मोर्चरी की दयनीय स्थिति से मचा हड़कंप

मलखान सिंह जिला अस्पताल की मोर्चरी की हालत बेहद खराब है। 24 मई को तीन शव रखे गए थे, जिनमें से एक डीप फ्रीजर में था और दो जमीन पर पड़े थे। मोर्चरी में केवल एक एसी लगा है, जबकि दो की व्यवस्था है। खराब बिजली सप्लाई के कारण एसी बंद हो जाता है, जिससे शव खराब होने का खतरा रहता है। अस्पताल की मोर्चरी की इमारत जीर्ण–शीर्ण है, दरवाजों पर ताले लगे हैं और आसपास गंदगी फैली हुई है। बीते 28 अप्रैल को भर्ती एक अज्ञात मरीज की मौत के बाद उसका शव आठ दिन तक मोर्चरी में रखा गया, लेकिन इस बात की जानकारी स्वास्थ्य अधिकारियों को नहीं दी गई। अब मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी गठित की गई है, जो मोर्चरी में शव रखे जाने की पूरी स्थिति की जांच कर रिपोर्ट देगी।

जून में लगेगी त्योहारों की झड़ी, जान लें कब है गुप्त नवरात्रि, जगन्नाथ रथ यात्रा समेत मुख्य पर्व की डेट

जून के महीने में जल से जुड़े व्रत त्योहार बहुत मायने रखते हैं. इस माह में मां दुर्गा की साधना के लिए गुप्त नवरात्रि का त्योहार मनाया जाता है. इसमें 10 महाविद्या की पूजा का विधान है.जून में आषाढ़ और ज्येष्ठ माह का संयोग बन रहा है. ऐसे में जून में गंगा दशहरा, निर्जला एकादशी, वट पूर्णिमा, गुप्त नवरात्रि, जगन्नाथ रथ यात्रा आदि कौन कौन से महत्वपूर्ण पर्व आएंगे आइए जानते हैं.जून 2025 व्रत त्योहार4 जून 2025 – महेश नवमीज्येष्ठ महीने के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को भगवान शिव की विशेष पूजा की जाती है. इस दिन महेश नवमी मनाते हैं. माना जाता है कि इस दिन ही माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति हुई थी.5 जून 2025 – गंगा दशहरामाना जाता है कि इस दिन गंगा स्नान से उन दस मुख्य पापों से मुक्ति मिल जाती है जो पुण्य प्राप्ति में बाधक होते हैं. इनमें दैहिक पाप, वाणी पाप और मानसिक पाप शामिल हैं.6 जून 2025 – निर्जला एकादशी निर्जला एकादशी का व्रत बेहद कठिन माना जाता है लेकिन इस एक मात्र व्रत के फल से सभी 24 एकादशियों का फल मिल जाता है. ये शारीरिक और मान. सिक शुद्धिकरण में मदद करता है, बल्कि ये भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त करने का भी सशक्त माध्यम.8 जून 2025 – प्रदोष व्रत10 जून 2025 – व्रत सावित्री पूर्णिमा व्रतवट पूर्णिमा का व्रत रखने से दाम्पत्य जीवन सुखमय होता है. इसके साथ ही आपके पति को दीर्घायु का आशीर्वाद भी मिलता है.11 जून 2025 – कबीरदास जयंती, ज्येष्ठ पूर्णिमा ज्येष्ठ पूर्णिमा पर कबीरदास जयंती मनाई जाती है. कबीरदास जी न सिर्फ एक कवि बल्कि समाज सुधारक भी थे. भक्ति आंदोलन पर भी कबीरदास जी के लेखन का काफी प्रभाव पड़ा था.12 जून 2025 – आषाढ़ माह शुरूआषाढ़ माह में गुरु की उपासना सबसे फलदायी होती है. इस महीने में श्रीहरि विष्णु की उपासना से भी संतान प्राप्ति का वरदान मिलता है. इस माह में जल देव की पूजा करने से जन्मों के पाप धुल जाते हैं.14 जून 2025 – कृष्ण पिंगल संकष्टी चतुर्थी15 जून 2025 – मिथुन संक्रांतिसूर्य इस दिन मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे. मिथुन बुध की राशि है. इस दिन सूर्य की पूजा और जल चढ़ाने का विशेष महत्व है.21 जून 2025 – योगिनी एकादशी शास्त्रों के अनुसार योगिनी एकादशी का व्रत करने से 88 हजार ब्राह्मणों को भोजन कराने के बराबर पुण्य प्राप्त होता है.23 जून 2025 – प्रदोष व्रत, मासिक शिव. रात्रि25 जून 2025 – आषाढ़ अमावस्यापा. रंपरिक रूप से यह दिन पितरों का तर्पण, गंगा स्नान, दान और पुण्य के लिए बहुत शुभ माना जाता है.26 जून 2025 – आषाढ़ गुप्त नवरात्रिमान्यता है कि गुप्त नवरात्रि में मां दुर्गा की उपासना गुप्त रूप से की जाती है, जिस्से शक्ति और तंत्र विद्या की सिद्धि मिलती है.27 जून 2025 – जगन्नाथ रथ यात्राजगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान श्रीकृष्ण, भाई बलभद्रा और उनकी बहन सुभद्रा रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण के लिए निकलते हैं. मान्यता है कि रथ को खींचने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है.28 जून 2025 – विनायक चतुर्थी

रविवार को प्रेम में आएगा बड़ा बदलाव! 3 राशियों पर पड़ेगा सबसे गहरा असर,जानिए 25 मई 2025 का लव राशिफल

रविवार, 25 मई 2025 ग्रहों के गोचर पर आधारित है. ज्योतिष के अनुसार ग्रहों की स्थिति हमारे मन, मस्तिष्क और स्वभाव को प्रभावित करता है. कुंडली का पंचम भाव प्रेम संबंधों की जानकारी देता है.यहां पर मौजूद शुभ ग्रहों की दृष्टि प्रेम के मामले में व्यक्ति को सफलता प्रदान करती है. किन राशियों के लिए रविवार का दिन लकी और किन लोगों के लिए अनलकी साबित होने जा रहा है, आइए जानते हैं लव राशिफल.मेष लव राशिफल मेष राशि आज आपका का दिन प्रेम जीवन में नई ऊर्जा का संचार होगा. यदि कोई गलतफहमी थी, तो वह दूर हो सकती है. जीवनसाथी के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा. वृषभ लव राशिफल वृषभ राशि आज का दिन भावनात्मक संबंधों में गहराई आएगी. पार्टनर के साथ किसी खास योजना पर चर्चा हो सकती है. संबंधों में स्थिरता बनी रहेगी.मिथुन लव राशिफल मिथुन राशि आज का दिन प्रेम संबंधों में उत्साह रहेगा. साझेदारी में विश्वास बढ़ेगा. नए रिश्तों की शुरुआत के लिए समय अनुकूल है. कर्क लव राशिफल कर्क राशि आज का दिन पार्टनर के साथ भावनात्मक जुड़ाव मजबूत होगा. परिवार के समर्थन से संबंधों में मजबूती आएगी. समय साथ बिताने के अवसर मिलेंगे. सिंह लव रा. शिफल सिंह राशि आज का दिन सामा. जिक व्यस्तताओं के बावजूद प्रेम जीवन में संतुलन बना रहेगा. पार्टनर के साथ संवाद बढ़ेगा. संबंधों में नई ऊर्जा का अनुभव होगा. कन्या लव राशिफल कन्या राशि आज का दिन प्रेम जीवन में सकारात्मक बदलाव आएंगे. पार्टनर के साथ रोमांटिक समय बिताने का अवसर मिलेगा. संबंधों में पारदर्शिता बनी रहेगी. तुला लव राशिफल तुला राशि आज का दिन संबंधों में मधुरता बनी रहेगी. पार्टनर के साथ किसी यात्रा की योजना बन सकती है. भावनात्मक संतुलन बनाए रखना आवश्यक है.वृश्चिक लव राशिफलवृश्चिक राशि आज का दिन प्रेम जीवन में स्थिरता रहेगी. पार्टनर के साथ विश्वास बढ़ेगा. संबंधों में पारस्परिक समझ विकसित होगी. धनु लव राशिफल धनु राशि आज का दिन प्रेम संबंधों में उत्साह रहेगा. पार्टनर के साथ नई योजनाओं पर चर्चा हो सकती है. संबंधों में पारदर्शिता बनाए रखना आवश्यक है. मकर लव राशिफलमकर राशि आज का दिन प्रेम जीवन में स्थिरता बनी रहेगी. पार्टनर के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा. संबंधों में पारस्परिक समझ विक. सित होगी.कुंभ लव राशिफलकुंभ राशि आज का दिन प्रेम जीवन में नई ऊर्जा का संचार होगा. पार्टनर के साथ संवाद बढ़ेगा. संबंधों में पारदर्शिता बनाए रखना आवश्यक है.मीन लव राशिफल मीन राशि आज का दिन प्रेम जीवन में सकारात्मक बदलाव आएंगे. पार्टनर के साथ रोमांटिक समय बिताने का अवसर मिलेगा. संबंधों में पारद. र्शिता बनी रहेगी.

नमाज से पहले वुजू क्यों करते हैं मुसलमान, इसे लेकर क्या कहता है इस्लाम

हर मुसलमान को वुजू की प्रक्रिया के बारे में पूरी तरह से जानकारी होती है. लेकिन अगर आप मुस्लिम नहीं हैं तो आप यह जानने के लिए काफी उत्सुक हो सकते हैं कि आखिर श्वुजूश क्या है. सामान्य अर्थों में कहें तो वुजू हाथ पांव धोने की प्रक्रिया है.लेकिन वुजू की व्याख्या इस्लाम में केवल मात्र इतना ही नहीं बल्कि इससे कहीं अधिक है. आइए जानते हैं आखिर इस्लाम में वुजू का क्या महत्व है और नमाज पढ़ने से पहले क्यों वुजू करना होता है जरूरी. मुसलमान पर नमाज फर्ज किया गया है और हर मुसलमान दिन में पांच बार नमाज अदा करते है. नमाज पढ़ने से पहले आध्यात्मिक रूप से व्यक्ति का शुद्ध होना आवश्यक होता है. इसके लिए वजू या वुजू की जाती है जोकि शुद्धिकरण अनुष्ठान है. इस्लाम में वजू को शुद्धता और स्वच्छता का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है, जिसमें व्यक्ति नमाज से पहले अपने हाथ, कान, चेहरा, मुंह, बाल और पैरों को धोता है. यह व्यक्ति को मानसिक और शारीरिक रूप से शुद्ध करता है. साथ ही प्रार्थना के लिए या नमाज अदा करने के लिए तैयार करता है.वुजू और इसके 6 फर्जनाक और मुंह समेत चेहरे की अच्छे से सफाई.कोहनी और दोनों हाथों को अच्छे से धोना.सिर का मसह करना.टखनों समेत दोनों पैर धोना. वुजू के अंगों के बीच क्रम रखना.बिना गैपा किए लगातार धोना.वुजू को लेकर क्या कहता है कुरानवुजू करने के लिए एक व्यक्ति को कम से कम 3 मिनट का समय लगता है. इस दौरान व्यक्ति मस्जिद में बने वजूखाने में बैठकर वजू करता है और फिर अल्लाह की इबादत की जाती है.

वजू का अर्थ होता है साफ–सफाई. जब हम अपने रब के सामने नमाज के लिए जाते हैं तो साफ सफाई का ध्यान रखना जरूरी होता है. नमाज करते समय मन और शरीर का साफ होना बहुत जरूरी है और इसलिए वुजू की प्रक्रिया भी कुरान में लाजमी बताई गई है.वुजू का जिक्र इस्लाम धर्म की सबसे पवित्र किताब कुरान में भी मिलता है. कुरान में कहा गया है कि– ष्ऐ ईमान लानेवालों! जब तुम नमाज के लिए उठो, तो अपने चेहरे और अपने हाथों की कोहनियों समेत धो लिया करो और अपने सिरों का मसह करो और अपने पैरों को टखनों समेत धो लो.ष (सूरतुल मायदा: 6)क्या वुजू के बगैर कोई नमाज अदा नहीं कर सकता इस सवाल का जवाब यह है कि अगर कोई व्यक्ति जो बेहद उम्रदराज हो और उसे पानी से वुजू करने में ठंड लगती हो या किसी तरह की अन्य परेशानी हो तो इस्लाम में ऐसे व्यक्ति को वुजू न करने की छूट दी गई है जिसे तय्यमुम कहते हैं.तय्यमुम इस्लाम में ऐसी प्रकिया को कहा जाता है जोकि पानी न होने की स्थिति में या जब पानी का उपयोग न करना हो तो इसे वुजू या गुस्ल (नहाने) के विकल्प में प्रयोग किया जा सकता है. तय्यमुम भी एक प्रकार का शुद्धिकरण है. यह ऐसी प्रक्रिया होती है जिसमें मिट्टी वाली किसी जगह में हाथ पैर को लगाकर भी वुजू किया जा सकता है. आप मिट्टी के स्थान पर अपना हाथ पर फेर दे तो भी इसे शुद्ध माना जाएगा. इसके अलावा जब कोई व्यक्ति तुरंत नहाकर आया हो तो उसके लिए वुजू करना जरूरी नहीं होता.

वट सावित्री व्रत के प्रभाव से सावित्री अपने पति सत्यवान के प्राण यमराज से वापस ले आईं

इस बार वट सावित्री व्रत और सोमवती अमावस्या का खास संयोग बन रहा है. वट सावित्री व्रत 26 मई को है. ज्येष्ठ मास में पड़ने वाले सारे व्रतों में वट सावित्री व्रत को बहुत प्रभावी माना जाता है जिसमें

सौभाग्यवती महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र और सभी प्रकार की सुख–समृद्धि की कामना करती वट सावित्री व्रत ज्येष्ठ मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि से अमावस्या तक उत्तर भारत में और ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष में इन्हीं तिथियों में वट सावित्री व्रत दक्षिण भारत में मनाया जाता है. वट सावित्री व्रत को उत्तर भारत के उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, दिल्ली और हरियाणा समेत कई जगहों पर मनाया जाता है. ऐसी मान्यता है कि जितनी उम्र बरगद के पेड़ की होती है, सुहागिनें भी बरगद के पेड़ की उम्र के बराबर अपने पति की उम्र मांगती हैं.वट सावित्री व्रत 2025 तिथिपंचांग के मुताबिक वट सावित्री व्रत ज्येष्ठ मास की अमावस्या तिथि पर रखा जाता है. इस साल ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि की शुरुआत 26 मई 2025 को दिन में 12रू11 मिनट पर हो रही है. इसका समापन अगने दिन यानी 27 मई 2025 को सुबह 8रू31 मिनट पर होगा. ऐसे में 26 मई 2025 को वट सावित्री व्रत का व्रत रखा जाएगा.शुभ योग26 मई 2025 को वट सावित्री व्रत के दिन भरणी नक्षत्र बन रहा है, जो सुबह 8रू23 मिनट तक रहेगा. इसके अलावा इस तिथि पर शोभन व अतिगण्ड योग का संयोग रहेगा. वट सावित्री के दिन अभिजित मुहूर्त सुबह 11रू54 से दोपहर 12रू42 तक रहेगा.

सोमवती अमावस्या का दुर्लभ संयोग27 मई को सूर्योदय कालीन अमावस्या होने से इस दिन अमावस्या का स्नान दान किया जा सकेगा. इस दिन भौमवती अमावस्या रहेगी लेकिन अबकी बार 26 मई को सोमवार होने से ज्येष्ठ अमावस्या पर सौभाग्यदायक सोमवती अमावस्या का भी संयोग बनेगा.

ऐसे में सुहाग की लंबी उम्र की कामना से जो सुहागन महिलाएं वट सावित्री का व्रत रखेंगी उनको यमराज के साथ शिवजी की कृपा का भी लाभ मिलेगा. इस पर उत्तम संयोग यह भी है कि इस दिन चंद्रमा अपनी राशि वृषभ में संचार करेंगे. वट सावित्री पर बना यह संयोग भी व्रतियों के लिए उत्तम फलदायी है.वट वृक्ष की पूजा का महत्वहिंदू धर्म में बरगद का वृक्ष पूजनीय माना जाता है. शास्त्रों के अनुसार, इस वृक्ष में सभी देवी–देवताओं का वास होता है. इस वृक्ष की पूजा करने से अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है. इसके अलावा इस दिन जल से वटवृक्ष को सींचकर उसके तने के चारों ओर कच्चा धागा लपेटकर तीन बार परिक्रमा करें.इस दिन महिलाएं व्रत रखकर वट वृक्ष के पास जाकर धूप, दीप नैवेद्य आदि से पूजा करती हैं. साथ ही रोली और अक्षत चढ़ाकर वट वृक्ष पर कलावा बांधती हैं और हाथ जोड़कर वट वृक्ष की परिक्रमा करती हैं. जिससे उनके पति के जीवन में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं और लंबी उम्र की प्राप्ति होती है.कैसे करें वट सावित्री व्रतवहीं सा. मवती अमावस्या पर स्नान, दान, पितरों की पूजा और धन प्राप्ति के खास उपाय भी किए जाते हैं. अमावस्या तिथि के दिन महिलाएं बांस की टोकरी में सप्त धान्य के ऊपर ब्रह्मा और वट सावित्री और दूसरी टोकरी में सत्यवान एवं सावित्री की प्रतिमा स्थापित करके वट के समीप जाकर पूजन करती हैंसाथ ही इस दिन यम का भी पूजन करती हैं और वट की परिक्रमा करते समय 108 बार वट वृक्ष में कलावा लपेटा जाता है. मंत्र का जाप करते हुए सावित्री को अर्घ्य दिया जाता है. वहीं सौभाग्य पिटारी और पूजा सामग्री किसी योग्य साधक को दी जाती है. इस व्रत में सत्यवान और सावित्री की कथा का श्रवण किया जाता है.पूजन सामग्रीवट सावित्री व्रत की पूजन सामग्री में सावित्री–सत्यवान की मूर्तियां, धूप, दीप, घी, बांस का पंखा, लाल कलावा, सुहाग का समान, कच्चा सूत, चना (भिगोया हुआ), बरगद का फल, जल से भरा कलश आदि शामिल करना चाहिए.पूजा विधिइस दिन प्रातःकाल घर की सफाई कर नित्य कर्म से निवृत्त होकर स्नान करें.इसके बाद पवित्र जल का पूरे घर में छिड़काव करें. बांस की टोकरी में सप्त धान्य भरकर ब्रह्मा की मूर्ति की स्थापना करें.ब्रह्मा के वाम पार्श्व में सावित्री की मूर्ति स्थापित करें. इसी प्रकार दूसरी टोकरी में सत्यवान तथा सावित्री की मूर्तियों की स्थापना करें.इन टोकरियों को वट वृक्ष के नीचे ले जाकर रखें. इसके बाद ब्रह्मा तथा सावित्री का पूजन करें. अब सावित्री और सत्यवान की पूजा करते हुए बड़ की जड़ में पानी दें.पूजा में जल, मौली, रोली, कच्चा सूत, भिगोया हुआ चना, फूल तथा धूप का प्रयोग करें.जल से वटवृक्ष को सींचकर उसके तने के चारों ओर कच्चा धागा लपेटकर तीन बार परिक्रमा करें. बड़ के पत्तों के गहने पहनकर वट सावित्री की कथा सुनें.भीगे हुए चनों का बायना निक. ालकर, नकद रुपए रखकर अपनी सास के पैर छूकर उनका आशीष प्राप्त करें.

यदि सास वहां न हो तो बायना बनाकर उन तक पहुंचाएं. पूजा समाप्ति पर ब्राह्मणों को वस्त्र तथा फल आदि वस्तुएं बांस के पात्र में रखकर दान करें.

इस व्रत में सावित्री–सत्यवान की पुण्य कथा का श्रवण करना न भूलें. यह कथा पूजा करते समय दूसरों को भी सुनाएं.

महत्वशास्त्रों के अनुसार, वट वृक्ष के नीचे बैठकर ही सावित्री ने अपने पति सत्यवान को दोबारा जीवित कर लिया था. दूसरी कथा के अनुसार मार्कण्डेय ऋषि को भग. वान शिव के वरदान से वट वृक्ष के पत्ते में पैर का अंगूठा चूसते हुए बाल मुकुंद के दर्शन हुए थे, तभी से वट वृक्ष की पूजा की जाती है. वट वृक्ष की पूजा से घर में सुख–शांति, धनलक्ष्मी का भी वास होता है.सावित्री की कथाराजर्षि अश्वपति की एकमात्र संतान थीं सावित्री. सावित्री ने वनवासी राजा द्युमत्सेन के पुत्र सत्यवान को पति रूप में चुना लेकिन जब नारद जी ने उन्हें बताया कि सत्यवान अल्पायु हैं, तो भी सावित्री अपने निर्णय से डिगी नहीं. वह समस्त राजवैभव त्याग कर सत्यवान के साथ उनके परिवार की सेवा करते हुए वन में रहने लगीं. जिस दिन सत्यवान के महाप्रयाण का दिन था, उस दिन वह लकड़ियां काटने जंगल गए. वहां मूर्च्छित होकर गिर पड़े. उसी समय यमराज सत्यवान के प्राण लेने आए.तीन दिन से उपवास में रह रही सावित्री उस घड़ी को जानती थीं, अतरू बिना विकल हुए उन्होंने यमराज से सत्यवान के प्राण न लेने की प्रार्थना की। लेकिन यमराज नहीं माने. तब सावित्री उनके पीछे–पीछे ही जाने लगीं. कई बार मना करने पर भी वह नहीं मानीं, तो सावित्री के साहस और त्याग से यमराज प्रसन्न हुए और कोई तीन वरदान मांगने को कहा.सावित्री ने सत्यवान के दृष्टिहीन माता–पिता के नेत्रों की ज्योति मांगी, उनका छिना हुआ राज्य मांगा और अपने लिए 100 पुत्रों का वरदान मांगा. तथास्तु कहने के बाद यमराज समझ गए कि सावित्री के पति को साथ ले जाना अब संभव नहीं इसलिए उन्होंने सावित्री को अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद दिया और सत्यवान को छोड़कर वहां से अंतर्धान हो गए.

ज्येष्ठ महीने में भूलकर भी न करें ये 5 काम, घर में हो सकती अकस्मिक मृत्यु! पंडितजी से जानें इससे जुड़े नियम

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, हिन्दी माह का यह तीसरा महीना ज्येष्ठ चल रहा है. विष्णु पुराण के अनुसार, ज्येष्ठ माह में भगवान विष्णु के अवतार भगवान त्रिविक्रम की पूजा करते हैं. भगवान त्रिविक्रम श्रीहरि विष्णु के वामन अवतार हैं, जिन्होंने असुर राजा बलि को मुक्ति प्रदान की थी. जो व्यक्ति ज्येष्ठ माह में भगवान त्रिविक्रम की पूजा करता है, उसे दुश्मनों पर विजय प्राप्त होती है, उसके पाप मिटते हैं और अश्वमेध यज्ञ कराने के समान ही पुण्य की प्राप्ति होती है. इसके लिए शास्त्रों में कुछ नियम बताए गए हैं, जिनका पालन करने से सुख–समृद्धि की प्राप्ति होती है. साथ ही, इन नियमों को मानने वाला जातक सेहत से भी ठीक रहता है. अब सवाल है कि आखिर ज्येष्ठ माह के जरूरी नियम क्या हैं? ज्येष्ठ माह में क्या करें और क्या न करें? इस बारे में छमू18 को बता रहे हैं उन्नाव के ज्योतिषाचार्य ऋषिकांत मिश्र शास्त्री–ज्येष्ठ माह में क्या करें और क्या नहीं करना चाहिएबड़े बच्चे की शादी न करेंरू ज्येष्ठ माह में शादी को लेकर भी जिक्र है. इसमें कहा गया है कि, ज्येष्ठ माह में बड़े बेटे–बेटी का विवाह नहीं करना चाहिए. ऐसा करने से वैवाहिक जीवन कष्टप्रद हो सकता है.घर न बनवाएंरू ज्योतिषाचार्य के मुताबिक, ज्येष्ठ माह में घर बनाना अशुभता का कारक माना गया है. ऐसा करने से घर में अकस्मिक मृत्यु का अंदेशा बढ़ता है.बैंगन के सेवन से बचेंरू हिन्दी महीने के तीसरा माह ज्येष्ठ में बैंगन का सेवन भी नहीं करना चाहिए. ऐसा करने वालों के संतान को पीड़ा हो सकती है.ऐसा भोजन न करेंरू ज्योतिषाचार्य के मुताबिक, ज्येष्ठ माह में गर्म तासीर या मसालेदार एवं बासी भोजन का त्याग करना चाहिए. इसके अलावा, को. शिश करें कि, दिन में एक समय ही भोजन करें.ज्येष्ठ माह में क्या करना शुभसूर्य देव–हनुमानजी की पूजारू इस माह सूर्य देव और हनुमान जी की पूजा अवश्य करनी चाहिए इससे आरोग्य और समृद्धि प्राप्त होती है.ये चीजें दान करेंरू ज्योतिषाचार्य ऋषिकांत मिश्र बताते हैं कि, पावन पवित्र ज्येष्ठ माह में जरूरतमंदों को जल, तिल, अन्न का दान श्रेष्ठ माना जाता है.

यूनुस ने अमेरिका को बेच दिया बांग्लादेश, आतंकियों के हाथ में सत्ताय राजनीतिक उथल–पुथल के बीच एक्टिव हुईं शेख हसीना

बांग्लादेश में सियासी उथल–पुथल के बीच देश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अंत. रिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस पर बड़ा आरोप लगाया है. उन्होंने कहा कि यूनुस ने आतंकवादियों की मदद से बा. ंग्लादेश की सत्ता हथियाई है और इसमें से कई आतंकी संगठन ऐसे हैं जिन पर अंतरराष्ट्रीय बैन लगा हुआ है.पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपने फेसबुक पोस्ट में कहा कि यूनुस ने सत्ता हथियाने के लिए प्रतिबंधित लोगों की मदद ली, जिनसे अब तक हमने बांग्लादेश के लोगों की रक्षा की थी. उन्होंने कहा, ष्सिर्फ एक आतंकवादी हमले के बाद हमने सख्त कदम उठाए. कई लोगों को गिरफ्तार किया, लेकिन अब बांग्लादेश की जेलें खाली हैं. यूनुस ने ऐसे सभी लोगों को रिहा कर दिया और अब बांग्लादेश में उन आतंकवादियों का ही राज है.ष्शेख हसीना ने यूनुस पर लगाए गंभीर आरोपशेख हसीना ने आगे कहा, ष्हमारे महान बंगाली राष्ट्र का संविधान जिसे हमने लंबे संघर्ष और मुक्ति संग्राम से

हासिल किया है, इस उग्रवादी नेता को, जिसने अवैध रूप से सत्ता पर कब्जा किया है, संविधान को छूने का अधिकार किसने दिया?ष पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि यूनुस का मुख्य सलाहकार के पद पर रहने का भी कोई आधार नहीं है और वह अस्तित्व में नहीं है. शेख हसीना ने आरोप लगाया कि यूनुस ने अवामी लीग पर प्रतिबंध लगा दिया है.बांग्लादेश में अंतरिम सरकार को हटाने की तैयारीबता दें कि बांग्लादेश में अंतरिम सरकार को हटाने की तैयारी हो रही है. सेना और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने दिसंबर तक चुनाव कराने की मांग की है. इस पर अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस का कहना है कि अगर उन पर चुनाव कराने या किसी मुद्दे पर बेवजह दबाव बनाया गया तो वह जनता के साथ मिलकर जवाबी कार्रवाई करेंगे.शेख हसीना के बांग्लादेश की सत्ता छोड़ने के बाद से वहां अस्थिरता बनी हुई है. देश में शेख हसीना की सरकार के खिलाफ हिंसक बगावत हुई थी, जिसके बाद उन्हें भारत में शरण लेनी पड़ी. 5 अगस्त 2024 को बांग्लादेश में तख्तापलट हुआ, जिसके बाद से शेख हसीना भारत में है.

पड़ोसी देश की इकॉनोमी हो गई तबाह, अब नमक के लिए मचा हाहाकारय एक किलो की कीमत सुन उड़ जाएंगे होश

भारत का पड़ोसी देश श्रीलंका इन दिनों नमक की कमी से जूझ रहा है. हिंद महा. सागर में स्थित इस देश में भारी बारिश की वजह से नमक के उत्पादन में भारी गिरावट दर्ज की गई है. बारिश की वजह से पहले जो नमक बनाया गया था, वह भी पानी में बह चुका है. हालात इतने खराब हो गए हैं कि श्रीलंका के पास इस्तेमाल के लिए जरूरी मात्रा में भी नमक नहीं है.जानें कितनी हो गई है एक किलो नमक की कीमत श्रीलंका में नमक की कमी होने के बाद कुछ लोगों ने इसका गलत फायदा भी उठाना शुरू कर दिया है. देश में नमक की कीमतों में भारी उछाल आ गया है. ऐसे में कई लोग इसकी ब्लैक मार्केटिंग करने लगे हैं. ये नमक अब सामान्य से चार गुना ज्यादा दाम पर बेचा जा रहा है. मौजूदा संकट की वजह से देश में एक किलो नमक की कीमत 145 रुपये हो गई है. वहीं, श्रीलंका जरूरत का 23 प्रतिशत नमक ही उत्पादन कर रहा है. भारत ने बढ़ाया मदद का हाथसंकट की इस घड़ी में भारत ने श्रीलंका की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है. भारत ने 3.050 मीट्रिक टन नमक की खेप वहां भेज दी है. कुल शिपमेंट से 2,800 मीट्रिक टन भारत की नेशनल सॉल्ट कंपनी की ओर से भेजा गया है. वहीं, बाकी 250 मीट्रिक टन प्रा. इवेट कंपनियों से आया था.श्रीलंका में दो साल पहले आया था गंभीर आर्थिक संक. टश्रीलंका में दो साल पहले गंभीर आर्थिक संकट आया था, जिसके चलते यहां जरूरी सामान काफी महंगे हो गए थे. अभी भी 28 प्रतिशत से ज्यादा आबादी इस स्थिति से जूझ रही है. कृषि क्षेत्र में गलत नीतियां, विदेशी मुद्रा भंडार में कमी और वैश्विक आपूर्ति में गिरावट की वजह से देश में आर्थिक समस्या बनी हुई है.

पाकिस्तान में बिलावल भुट्टो की बहन के काफिले पर बेकाबू भीड़ ने किया हमला, बाल–बाल बचीं आसिफा

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी की बेटी और नेशनल असेंबली की सदस्य आसिफा भुट्टो के काफिले पर सिंध प्रांत में हमला हुआ. ये हमला शुक्रवार (24 मई) को जामशोरो टोल प्लाजा पर किया गया. आसिफा भुट्टो के काफिले पर हमला नहर परियोजना के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले लोगों ने किया था. हमले के बाद पुलिस ने तुरंत हस्तक्षेप कर पाकिस्तानी सांसद आसिफा भुट्टो सुरक्षित निकाला. इसके साथ ही पुलिस ने इस हमले में शामिल कई लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ केस दर्ज किया है. इस पूरी घटना की जड़ें उस विवादास्पद नहर परियोजना में हैं, जिसे सेना के समर्थन से आगे बढ़ाया जा रहा है और जिस पर सिंध के लोगों का विरोध लगातार तेज हो रहा है. यह नहर परियोजना सिंधु नदी सिस्टम पर आधारित है. सिंध प्रांत के लोग इसे पंजाब की पानी पर हकदारी बढ़ाने की साजिश मानते हैं. प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने परियोजना को अनिश्चितकाल के लिए स्थ. गित कर दिया, जब तक काउंसिल ऑफ कॉमन इंटरेस्ट्स में सहमति नहीं बन जाती. परियोजना को लेकर लोगों का क्या कहना है?सिंध के लोगों का कहना है कि उन्हें राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में नजरअंदाज किया जा रहा है. विरोधी नेताओं का आरोप है कि इस योजना का उपयोग सैन्य प्रतिष्ठान अपने भू–राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए कर रहा है.सिंध में बिलावल भुट्टो की पार्टी की सरकारबता दें कि पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (च्च्च्) सिंध में सत्ता में है. इसके अलावा वह संघीय सरकार में च्ड शहबाज शरीफ के गठबंधन का हिस्सा भी है. इसके नेताओं पर विरोधियों का आरोप है कि वे सेना के इशारे पर काम कर रहे हैं. इस पर जेहाद सिंध मुत्तहिदा महाज के अध्यक्ष शफी बर्स्ट का आरोप है कि सेना अपने भू–राजनीतिक उद्देश्य पूरे करने के लिए बिलावल भुट्टो जैसे सत्ता के लोभी और गैर–गंभीर नेताओं का इस्तेमाल कर रही है.

जेल में बंद इमरान खान ने शहबाज सरकार को बताया कठपुतली, कहा– सिर्फ सेना से करेंगे बात

जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने शनिवार (24 मई, 2025) को कहा कि वो सिर्फ मिलिट्री के बड़े अधिकारियों से ही बातचीत करेंगे. पाकिस्. तान की शहबाज शरीफ को कठपुतली सरकार बताते हुए कहा कि उनका कोई आधार नहीं है.तहरीक ए इंसाफ के संस्थापक इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में बंद हैं. अप्रैल 2022 में सत्ता गंवाने के बाद से उन पर कई केस चल रहे हैं. इमरान खान ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि कठपुतली पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज (पीएमएल–एन) सरकार के साथ किसी भी तरह की बातचीत करना बेकार है. इस अवैध फॉर्म–47 स्थापित सरकार ने पहले ही दो महीने बर्बाद कर दिए हैं. इसके पास कोई वास्तविक शक्ति नहीं है.इमरान खान ने कहा कि बातचीत केवल उन लोगों के साथ की जाएगी जो वास्तव में सत्ता में हैं. खान ने आरोप लगाया कि मनगढ़ंत राजनीतिक मामले, जबरन अपहरण और जबरन प्रेस कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य पीटीआई सदस्यों को सार्वज. निक रूप से पार्टी से अलग होने के लिए मजबूर करना है. उन्होंने जोर देकर कहा कि ये सभी साबित करते हैं कि कानून का शासन पूरी तरह से खत्म हो गया है. अब हमारे पास जंगल का कानून है.उन्होंने 9 मई 2023 की घटनाओं से संबंधित चल रहे मुकदमों की भी निंदा की और कहा कि यह पीटीआई को कुचलने के लिए एक झूठा अभियान है. उन्होंने आगे कहा कि आज तक कोई सीसीटीवी फुटेज पेश नहीं किया गया है. किसी भी बातचीत के प्रयासों के दावों का खंडन करते हुए खान ने कहा कि किसी ने भी मुझसे बातचीत के लिए संपर्क नहीं किया. एक्स पर दिए गए बयानों में बताया गया है कि इमरान खान रावलपिंडी की अदियाला जेल से अपने मैसेज को वकीलों के साथ शेयर करते हैं, जो फिर उन्हें अपने अकाउंट पर पोस्ट करते हैं. पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर की फील्ड मार्शल के पद पर पदोन्नति की भी इमरान खान ने आलोचना की थी और कहा था कि राजा की उपाधि इससे अधिक उपयुक्त होती.

जेल में बंद इमरान खान ने शहबाज सरकार को बताया कठपुतली, कहा– सिर्फ सेना से करेंगे बात

पिछले 13 साल से गृहयुद्ध, विस्थापन और विदेशी हस्तक्षेप की वजब से सीरिया तबाह हो चुका है और अब इस देश की कमान अहमद अल–शरा के पास है. पिछले साल लंबे समय से सत्तारूढ़ बशर अल–असद को सत्ता से हटाकर पूर्व मिलिशिया कमांडर अहमद अल–शरा ने अंतरिम सरकार की बागडोर संभाली थी. इस बीच अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने अब सीरिया के पुनर्निर्माण में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए छह महीने के लिए प्रतिबंधों में छूट दी है. अमेरिका ने 2019 के सीजर सीरिया एक्ट के तहत लगाए गए प्रतिबंधों में छूट दे दी है. सीरिया के केंद्रीय बैंक और कुछ संस्थाओं के साथ व्यापार करने की अनुमति मिल गई है. संयुक्त राज्य के ट्रेजरी विभाग और राज्य विभाग की कार्यकारी कार्रवाई में छूट देने को लेकर फैसला लिया गया. हालांकि, ये छूट अस्थायी तौर पर महज 180 दिन दी गई है. इसके बाद प्रतिबंध फिर से स्थिति को देखते हुए लागू किए जा सकते हैं. क्या है राष्ट्रपति ट्रंप की रणनीति?अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने इस छूट को नई शुरुआत का अवसर कहा है. उनका कहना है कि सीरिया को पुनर्निर्माण का मौका मिलना चाहिए और अगर अंतरिम सरकार कामयाब नहीं हुई तो इस्लामिक स्टेट और चरमपंथ फिर लौट सकते हैं. बता दें कि हमद अल–शरा के नेतृत्व में सीरिया की सरकार अभी भी संकट की स्थिति में है. उनका अतीत हयात तहरीर अल–शाम (पूर्व अल–कायदा सहयोगी) से जुड़ा रहा है. इस वजह से सरकार पर अभी भी वैश्विक समुदाय का पूर्ण भरोसा नहीं है.सऊदी में अल–शरा से मिले थे ट्रंप वहीं दशकों से गृह युद्ध की मार झेल रहे सीरिया को अब भी पुनर्निर्माण के लिए अरबों डॉलर की आवश्यकता है. युद्ध में पूरे देश का इन्फ्रास्ट्रक्चर नष्ट हो चुका है. 45 लाख से अधिक लोग विस्थापित हो चुके हैं. लाखों नागरिक बेरोजगार और भूख की स्थिति में जिंदगी गुजार रहे हैं. बता दें कि इस महीने ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात अहमद अल–शरा से की थी, जो मौजूदा वक्त में सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति हैं. दोनों की मुलाकात सऊदी अरब में हुई थी, जिसको लेकर काफी चर्चा हुई थी.

ऑस्ट्रेलियाई सांसद ने जूते में डाली बीयर और पी गया, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

ऑस्ट्रेलिया के एक सांसद काइल मैकगिन ने ऑस्ट्रेलियाई संसद में अपने आखिरी दिन को अपने लिए काफी यादगार बनाया है. काइल मैकगिन ने संसद में अपना आखिरी संबोधन देते हुए कुछ ऐसा किया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो गया. इसके अलावा संसद में काइल के सहयोगी भी उनके अलविदा कहने के इस अंदाज को देखकर हैरान रह गए.दरअसल, ऑस्ट्रेलियाई सांसद काइल मैकगिन ने संसद में संबोधन देने के बाद अपने पहने हुए स्नीकर्स जूते उतारे, उसमें बीयर डाली और फिर उसी जूते से बीयर पी ली. काइल के इस अंदाज ने संसद में सबको हैरान कर दिया. वहीं, कुछ लोगों ने ताली बजाकर काइल का समर्थन भी किया. हालांकि, काफी लोगों को ऑस्ट्रेलियाई सांसद काइल मैकगिन का ये अंदाज हैरान कर रहा है, लेकिन असल में यह ऑस्ट्रेलियाई संस्कृति की एक काफी मशहूर परंपरा है, जिसे शूई (ैीवमल) कहा जाता है.आखिर शूई है क्या?न्यूयॉर्क टाइम्स की 2019 की रिपोर्ट के मुताबिक, एक ऑस्ट्रेलियाई संस्कृति की एक ऐसी परंपरा है, जिसमें लोग किसी खास मौके पर, विशेष जश्न या किसी उत्सव में, किसी के जूते में शराब खासकर बीयर डालकर पीते हैं और जूते से शराब पीने के बाद वही गीला जूत्ता उस व्यक्ति को पहनने के लिए दे दिया जाता है.कई मशहूर लोगों ने इस परंपरा को अपनाया हैहालांकि, वास्तव में शूई की शुरुआत के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है, लेकिन कई मशहूर लोगों ने इस परंपरा को अपनाया है. इस परंपरा को करने वाले लोगों की लिस्ट में ऑस्ट्रेलियाई फॉर्मूला वन ड्राइवर डैनियल रिकियार्डो (क्ंदपमस त्पबबपंतकव), फिल्म स्टार्स में सर पैट्रिक स्टीवर्ट, जिमी फॉलन, ह्यू ग्रांट और जेरार्ड बटलर का नाम शामिल हैं. जबकि संगीतकारों मशीन गन केली और स्टॉर्मजी का नाम का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है.सांसद काइल मैकगिन ने अपने संबोधन में क्या कहा था? सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड की रिपोर्ट के मुताबिक, सांसद काइल मै. कगिन ने कहा था, "मैंने इस बारे में काफी सोचा कि इस भाषण को किस तरह से खत्म किया जाए और जो मुझे लगता है कि मेरे गोल्डफील्ड्स इलाके के लोगों को मेरा यह तरीका पसंद आएगा, क्योंकि इसे करने का बस एक ही तरीका है."उन्होंने कहा, "मुझे डांट खाने की आदत है, तो चलो इसे भी निपटा ही लेते हैं, लेकिन मैं पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के सभी सदस्यों और मतदाताओं को दो शानदार कार्यकालों के लिए शुक्रिया कहना चाहता हूं. चीयर्स!ष और इतना कहकर सांसद काइल मैकगिन अपने जूतं से बीयर पीने लगते हैं.

चीन ने पीले सागर में नो सेल जोन बना दिया

दक्षिण कोरिया ने गहरी चिंता व्यक्त की है. सियोल के विदेश मंत्रालय ने शनिवार (24 मई, 2025) को कहा कि संयुक्त रूप से प्रशासित इलाके में हाल ही में चीन की इस हरकत पर औपचारिक रूप से चिंता व्यक्त करते हैं.बुधवार को न्यूजवीक की एक रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि मंत्रालय ने स्व. ीकार किया है कि चीन ने 27 मई तक चीनी जमीन और कोरियाई प्रायद्वीप के बीच स्थित पीले सागर के कुछ हिस्सों में जहाजों की पहुंच को प्रतिबंधित कर दिया है. प्रतिबंधित क्षेत्र प्रोविजनल मीजर्स जोन (पीएमजेड) के अंतर्गत आता है, जहां दोनों देशों के एक्सक्लूसिव इकॉनोमिक जोन्स (ईईजेड) ओवरलैप होते हैं.चीन ने क्यों उठाया ये कदम?हालांकि चीन के समुद्री सुरक्षा प्रशासन (डै।) ने प्रतिबंध का कारण सार्वजनिक रूप से नहीं बताया, जबकि दक्षिण कोरियाई मीडिया ने कोरिया हाइड्रोग्राफिक और ओशनोग्राफिक एजेंसी

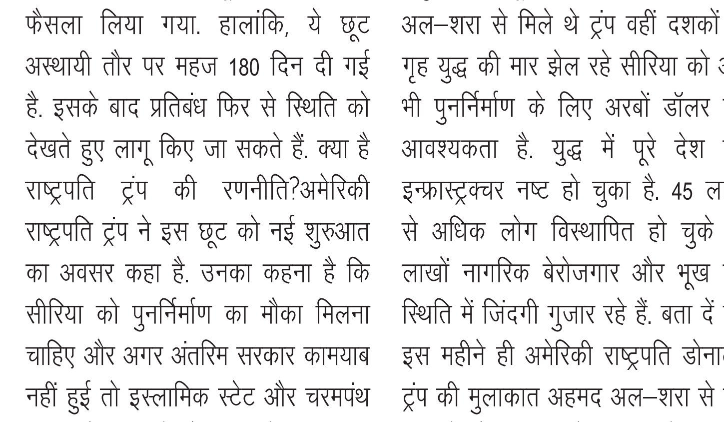

का हवाला देते हुए बताया कि यह जहां तक है मिलिट्री ट्रेनिंग से संबंधित था.दक्षिण कोरिया का क्या कहना है?हालांकि दोनों देशों को पीएमजेड में सैन्य अभ्यास करने की इजाजत है, लेकिन सियोल ने इस कदम की आलोचना करते हुए कहा, ष्पीएमजेड के भीतर चीन की ओर से नो–सेल जोन बनाना, जो नेविगेशन की फ्रीडम को बहुत ही ज्यादा प्रतिबंधित करती है, चिंता का विषय है.ष मंत्रालय ने पुष्टि की कि इन चिंताओं को राजनयिक चौनलों के जरिए बीजिंग को सूचित किया गया था.इसके अलावा, दक्षिण कोरियाई सरकार राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय सहित अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर यह मूल्यांकन कर रही है कि क्या चीन की कार्रवाई अंत. र्राष्ट्रीय समुद्री कानून के अनुरूप है. न्यूजवीक ने यह भी बताया कि चीन ने इस इलाके में तीन इंफ्रास्ट्रक्चर बनाए हैं, जिन्हें वह एक्वाकल्चर फैसिलिटी बताता है. हालांकि, कुछ दक्षिण कोरियाई मीडिया आउटलेट्स ने अनुमान लगाया है कि ये घटनाक्रम ग्रे जोन रणनीति का हिस्सा हो सकता है.